

सीमा सड़क संगठन का अपना 65वाँ स्थापना दविस

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में सीमा सड़क संगठन ने 7 मई 2024 को अपना 65वाँ स्थापना दविस मनाया।

- सीमा सड़क संगठन की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी उस समय संगठन के पास केवल दो परियोजनाएँ - पूर्व में प्रोजेक्ट टस्कर (अब वर्तक) और उत्तर में प्रोजेक्ट बीकन थी। आज इस संगठन का 11 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में वस्तितार हो चुका है और इस समय सीमा सड़क संगठन 18 परियोजनाओं पर कार्य करने वाला एक महत्त्वपूर्ण संगठन बन गया है।
 - इसने अब ऊँचाई वाले और कठिन बर्फीले क्षेत्रों में अग्रणी बुनयादी ढाँचा नरिमाण एजेंसी के रूप में अपनी साख स्थापति कर ली है।
- वर्ष 2023-24 में, सीमा सड़क संगठन ने 3,611 करोड़ रुपए की कुल 125 बुनयादी ढाँचा परियोजनाएँ पूरी कीं। इसमें अरुणाचल प्रदेश में बालीपारा-चारद्वार-तवांग रोड पर सेला सुरंग का नरिमाण शामिल है।
 - सीमा सड़क संगठन शीघ्र ही 4.10 किलोमीटर लंबी शक्तिन ला सुरंग पर नरिमाण कार्य शुरू करेगा। इसका नरिमाण कार्य पूर्ण होने पर यह सुरंग चीन में 15,590 फीट की मला सुरंग को पीछे छोड़ते हुए 15,800 फीट की विश्व की सबसे ऊँची सुरंग बन जाएगी।
- BRO रक्षा मंत्रालय के अधीन एक भारतीय कार्यकारी बल है, जिसका कार्य भारत की सीमाओं को सुरक्षित करना और उत्तर तथा पूर्वोत्तर राज्यों के दूरदराज के इलाकों में बुनयादी ढाँचे का विकास करना है।
- इसका संचालन सीमा सड़क विकास बोर्ड (BRDB) के तहत होता है और सीमावर्ती क्षेत्रों व पड़ोसी देशों के सड़क नेटवर्क इसके दायरे में आते हैं।
 - BRO का आदर्श वाक्य "श्रमेण सर्वम साध्यम्!" है, जिसका अर्थ है "कड़ी मेहनत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है।"

और पढ़ें: [BRO का 64वाँ स्थापना दविस](#)